

गुनगुनाओ

आस-पास के मित्र हमारे,
गए देखने सरकस सारे।

हाथी, घोड़े, भालू आए,
सबने अपने खेल दिखाए।

जादूगर के खेल निराले,
वह पहने था कपड़े काले।



गुनगुनाओ

सुबह-सुबह हम करते सैर,
भैया रहे नदी में तैर।।
बैठ पेड़ पर मैना गाती,
कैसा मीठा राग सुनाती।
मैना, मैना ज़रा बताना,
कैसे सीखा मीठा गाना।

